अप्रैल में पृथ्वी दिवस आयोजन के सिलसिले में पूर्वी और दक्षिण भारत में सैकड़ों स्कूली बच्चों ने चित्र बनाए जिनका विषय था, ''हमारे पर्यावरण में आपके लिए सबसे अहम क्या है।'' इनमें से कई चित्र कोलकाता और चेन्नई में अमेरिकी कान्सुलेट में प्रदर्शित किए गए और इनमें से तीन को अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। लहरी कुंडू का बनाया यह चित्र कोलकाता कान्सुलेट द्वारा वाशिंगटन, डी.सी. में प्रदर्शनी के लिए भेजा गया है।

समाचार गुलदस्ता

अमेरिका ने 1 मई को भारत से भेजे गए विकिरणित आमों की खेपें स्वीकार कर पहली बार विकिरणित फलों का आयात शुरू किया है। नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर भारतीय आम का स्वाद लेते हुए राजदूत डेविड सी. मलफ़र्ड ने कहा, ''हमने अमेरिकी बाज़ार को भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रतीक आम के लिए खोलने के राष्ट्रपति बुश के वादे का पालन किया है। भारतीय आमों को अमेरिका लाना अमेरिका और भारत के बीच कृषि व्यापार बढ़ाने की दिशा में सिर्फ एक कदम है।''

विकास नरूला

सभार: टैमेरिंड आर्ट

न्यूयॉर्क की टैमेरिंड आर्ट गैलरी में पिछले दिनों बॉलीवुड की पुरानी चर्चित फिल्मों के पोस्टरों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। 19 अप्रैल से 5 मई तक चली इस प्रदर्शनी में के. आसिफ द्वारा निर्देशित और 1960 में रिलीज हुई मुगल-ए-आज़म, रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित और 1980 में रिलीज हुई शान जैसी फिल्मों के अलावा विक्टोरिया न. 203 और रास्ते प्यार के फिल्मों के पोस्टर शामिल थे। टैमेरिंड आर्ट गैलरी की शुरुआत एक संग्रहालय के रूप में अप्रैल 2003 में हुई।

वाशिंगटन, डी.सी. की हॉवर्ड यूनिवर्सिटी के डॉ. जॉन थराकान वरिष्ठ फुलब्राइट शोध विद्वान के तौर पर एक साल से नए पदार्थों और उद्योगों के कारण हो रहे प्रदूषण और पर्यावरण को पहुंच रहे अन्य नुकसान को रोकने के लिए दक्षिण भारत में प्रयोग की जा रही विविध प्रौद्योगिकियों का विवरण जमा करने और मूल्यांकन के काम में जुटे हैं। थराकान कहते हैं, ''कम विकसित देशों को धीरे-धीरे समझ में आ रहा है कि वे पश्चिमी देशों की उन गलतियों को न दोहराएं जिनके कारण पर्यावरण को क्षति पहुंची।''

http://www.fulbright-india.org/

सभार: जॉन थराकान